

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

चंबल के शांत बहाव में छिपा संकट अब देश की सर्वाच्च अदालत तक पहुंच चुका है. राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध रेत खनन का मुद्दा केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही की एक बड़ी परीक्षा बन गया है. सुप्रीम कोर्ट द्वारा मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को नोटिस जारी करना इस बात का संकेत है कि अब इस संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

चंबल अभयारण्य का महत्व केवल एक संरक्षित क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत जैव विविधता केंद्र के रूप में है. यह घड़ियालों का सबसे बड़ा प्राकृतिक आवास है, जहां उनकी प्रजाति को बचाने के लिए दशकों से प्रयास किए जा रहे हैं. इसके अलावा गंगा डॉल्फिन और लाल मुकुट वाले कछुए जैसी दुर्लभ प्रजातियाँ इस क्षेत्र को वैश्व स्तर पर भी विशेष बनाती हैं. ऐसे में अवैध खनन केवल रेत की चोरी नहीं,

रेत खनन; सुप्रीम कोर्ट की चिंता का संज्ञान लें

बल्कि इन जीवों के अस्तित्व पर सीधा हमला है.

रेत खनन का प्रभाव सतही नहीं होता. यह नदी की धारा, तलछट संरचना और जल प्रवाह को प्रभावित करता है. इससे घड़ियालों के अंडे देने के स्थान नष्ट होते हैं और डॉल्फिन के लिए आवश्यक गहराई और शांत जल क्षेत्र खत्म हो जाते हैं. परिणामस्वरूप पूरा पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो जाता है. यही कारण है कि अदालत ने इसे गंभीर कानूनी उल्लंघन मानते हुए सख्त टिप्पणी की है.

सबसे चिंताजनक पहलू प्रशासनिक निष्क्रियता है. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि संबंधित विभागों की विफलता उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार बनाती है, एक कड़ा संदेश है. वन विभाग, खनन विभाग और स्थानीय पुलिस

की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की गतिविधियों को रोकें. लेकिन जमीनी हकीकत यह दर्शाती है कि कई बार या तो मिलीभगत होती है या फिर इच्छाशक्ति का अभाव. अवैध खनन एक संगठित गतिविधि बन चुका है, जिसमें स्थानीय नेटवर्क से लेकर बड़े आर्थिक हित जुड़े होते हैं.

तीनों राज्यों की भौगोलिक साझेदारी इस समस्या को और जटिल बनाती है. चंबल नदी तीन राज्यों से होकर गुजरती है, जिससे समन्वय की कमी का फायदा खनन माफिया उठाते हैं. एक राज्य में सख्ती होने पर गतिविधियाँ दूसरे हिस्से में शिफ्ट हो जाती हैं. इसलिए इस समस्या का समाधान केवल राज्य स्तर पर नहीं, बल्कि अंतर-राज्यीय समन्वय और एकीकृत रणनीति से ही संभव है.

संसद नियमों व परंपरा से चलती है, जिद से नहीं



नरेंद्र सिंह तोमर अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधानसभा

विपक्ष अपनी अनुशासहीनता के चलते नियमों के पर्याय लोकसभा अध्यक्ष पर ही निर्मूल आरोप लगाता है तो उसकी परिणति ऐसी ही होती है. अब तक भारतीय लोकतांत्रिक परंपराएं 76 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर चुकी हैं. वरिष्ठ नेताओं की तीखी बहसें, आरोप-प्रत्यारोप, निरोध और असहमतियों के लंबे विमर्श लोकसभा और राज्यसभा के गौरवशाली अतीत में दर्ज हैं. कुछ अप्रिय घटनाक्रम भी हुए लेकिन नियमों और मान्य परंपराओं की मर्यादाओं को कभी जानबूझ कर ओझल नहीं होने दिया गया. सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे की सहमति और असहमति का सदैव सम्मान और आदर किया है. फिर अब ऐसा क्या हुआ कि विपक्ष आक्रामकता के चरम पर पहुंच कर मर्यादाओं का ध्यान नहीं रख रहा है? यह प्रश्न सामायिक है और इस पर चिंतन होना चाहिए. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के अध्यक्षीय कार्यकाल को देखें तो पाएंगे कि विपक्ष के जिद्दी और आक्रामक रवैये के क्षणों में भी उन्होंने अकल्पनीय संयम,



स्पीकर बिड़ला का उल्लेखनीय योगदान

भारतीय संसदीय प्रक्रिया उन मानक प्रक्रियाओं में सम्मिलित है जिसका अनुकरण पूरी दुनिया के लोकतंत्र करते हैं. बीते कुछ वर्षों में विपक्ष ने जिस व्यवहार का प्रदर्शन किया है, वह कार्यवाहियों में बाधा ही नहीं अपितु लोकतंत्र को ठेस पहुंचाने वाला कार्य है. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के विरुद्ध लाया गया विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव सदन में खारिज हो गया. संसद नियमों और मान्य परंपराओं से संचालित होती हैं. वह विपक्ष या सत्ता पक्ष की मन-मर्जियों से संचालित नहीं हो सकती.

उद्देश्य से पीठासीन अधिकारियों की एक समिति का गठन भी किया गया, जिसका उद्देश्य संसद तथा राज्य विधानसभाओं की समिति व्यवस्था की समीक्षा करना है. ओम बिरला के नेतृत्व में लोकसभा को 'पेपरलेस' बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है. डिजिटल संसद प्लेटफॉर्म की स्थापना, सांसदों के लिए डिजिटल अटेंडेंस प्रणाली और ऑनलाइन ऑनबोर्डिंग जैसी व्यवस्थाएं इसी परिवर्तन का हिस्सा हैं. मंत्रियों द्वारा सदन में दिए गए आश्वासनों की निगरानी के लिए 'ऑनलाइन एशोरेंस मॉनिटरिंग सिस्टम' को भी सशक्त किया गया, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि हुई है.

संसदीय कार्यवाही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए. इस तकनीक के माध्यम से संसद की 18,000 से अधिक घंटों की ऐतिहासिक कार्यवाही का डिजिटलीकरण किया गया. इसके बाद भी यदि संसद में उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है, तो यह सिर्फ एक प्रक्रिया भर नहीं है, बल्कि संसदीय परंपराओं पर ही प्रश्नचिह्न है. विपक्ष का यह व्यवहार लोकतांत्रिक संसदीय मर्यादाओं के अनुकूल नहीं है.

संतुलन और निष्पक्षता का परिचय दिया है. वे नियमों के पालन के प्रति सजग थे और यही सजगता विपक्ष को खटकती रही. अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में ओम बिड़ला ने निरंतर यह प्रयत्न किया है कि अधिक से अधिक सांसदों को सदन में बोलने का अवसर मिले. युवा सांसदों, पहली बार निर्वाचित होकर आए जनप्रतिनिधि को, महिला सांसदों और संख्या में कम सांसदों को भी पर्याप्त समय देना सुनिश्चित किया गया. ऐसा होने पर ही 17 वीं लोकसभा ने लगभग 97 प्रतिशत की कार्य उत्पादकता हासिल की है. अपने कार्यकाल में नियमों और प्रक्रियाओं को समृद्ध करने की लोकसभा अध्यक्षों की परंपरा को अप्रसर करते हुए ओम बिड़ला ने नव निर्वाचित सांसदों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें संसदीय प्रक्रिया, नियमों और संसदीय परंपराओं से परिचित करवाया. लोकसभा के संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान 'प्राइड' के माध्यम से विभिन्न विधानसभाओं तथा संसद के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए. समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने

दुनिया को खाक न कर दे यह जंग!

अमेरिका व इजराइल द्वारा ईरान पर जबरन थोपा गया युद्ध अब ऐसे मोड़ पर आ गया है, जब उसकी शिदत पूरी दुनिया महसूस कर रही है. क्योंकि ब्रेट कूड के दाम बंदकर प्रति बैरल 118 डॉलर हो गए हैं और गैस के दामों में 17 से 30 फीसदी का इजाफा हुआ है. इन तेल व गैस के दाम बढ़ते हैं, तो हर चीज महंगी हो जाती है और पिरता बेचारा आम आदमी है. तेल के दाम बढ़ने (और रुपये के कमजोर होने) से दलाल स्ट्रीट के निवेशक भी उर गए हैं. विशेषकर इसलिए भी कि एचडीएफसी बैंक के नॉन एजीव्यूयटिव चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया. इससे इस बैंक के शेयरों में 5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ गई. इस सबका प्रभाव यह हुआ कि 19 मार्च को सेंसेक्स में लगभग 2,500 पॉइंट्स की गिरावट आई, जोकि एक दिन में आज तक की छठी सबसे बड़ी गिरावट है. निवेशकों के लिए अप्रैल 2025 के बाद यह सबसे खराब दिन रहा जब तकरीबन 13 लाख करोड़ रुपये ख्वाहा हो गए. इसके बावजूद जंग पर विराम लगने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं. ईरान के पास अब खोन को कुछ नहीं है, क्योंकि उसकी टॉप

लीडरशिप को खत्म कर दिया गया है, उसने युद्धविराम से साफ इकार कर दिया है. उसका कहना है कि 'जंग हमने शुरू की थी, खत्म हम करेंगे'. जब कोई व्यक्ति मरने से न डरता तो उसे रोकना कठिन हो जाता है. दूसरी ओर पेटांगन ने इस युद्ध को फंड करने के लिए 200 बिलियन डॉलर की मांग की है. जितना पैसा इस जंग में धुआँ-धुआँ होता जा रहा है, उसका संसार पर उनना ही भयानक असर पड़ेगा. दुनिया मंदी व महंगाई की चपेट में आती नजर आ रही है और तीव्र विषय युद्ध का खतरा भी मंडरा रहा है. इस संकट के लिए इजराइल जिम्मेदार है, जिसने ईरान के साउथ पारस फॉसिल गैस फील्ड पर हमला किया, अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत तेल, गैस आदि आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की मनाही है. ईरान पहले ही कह चुका है कि अगर उसके तेल व गैस फील्ड्स पर हमला होगा तो वह भी उसी स्वर में जवाब देगा. उसने इजराइल, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, जॉर्डन, यूएई, ओमान और बहरैन के ऐसे ही ठिकानों पर अपनी मिसाइलें बरसाईं. सबसे बड़ा हमला कतर की एनजी एलएनजी फैसिलिटी पर किया गया.

-विजय कपूर

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

**CROSS WORD 12205** - डॉ. सागर खादीवाला

|    |    |    |   |    |
|----|----|----|---|----|
| 1  | 2  | 3  | 4 | 5  |
| 6  |    |    |   | 7  |
| 8  |    |    | 9 |    |
| 10 | 11 |    |   | 12 |
|    |    | 13 |   | 14 |
|    | 15 |    |   |    |
| 16 |    |    |   | 17 |
|    |    |    |   | 18 |

(उर्दू) 2. लकड़ी का बड़ा और लंबा लड़ा जो प्रायः इमारत में काम आता है. 3. पुरुष, पुरुष जाति का. 4. मंदिर के भीतरी भाग में रहने वाला पुजारी 5. गरीबों और दिन दुखियों के रूप में रहने वाला भगवान 9. शुक्रवार और रविवार के बीच का दिन 11. मध्य, बीच, बीच में (उर्दू) 12. अगहन के बाद और माघ के पूर्व का महीना 14. नौ का वर्गमूल 15. अप्रि 16. मरा हुआ 17. आगे या पीछे क्रमानुसार आने वाला

**Solution 12204**

|    |    |     |     |      |    |    |
|----|----|-----|-----|------|----|----|
| अ  | व  | मा  | न   | ना   | सू | बा |
| दा | न  | म   | प्र | घ    |    |    |
| ल  | ज  | न   | सं  | ह्रा | र  |    |
| त  | मा | श   | र   | ब    | त  |    |
|    | अ  | श्र | च   | लि   |    |    |
| च  | ना | म   | आ   | ग    | त  |    |
| म  | द  | सा  | दा  | म    |    |    |
| न  | र  | घ्य | न   | क    | ब  |    |

बाएं से दाएं  
1. प्रदीप, चमकदार (उर्दू) 4. मांगना, भीख (सं.) 6. विष (उर्दू) 7. झरना, निद्रार (सं.) 8. बेटी का बेटा, दोहता 9. श्रेष्ठ 10. बड़े लोगों की मालिश करने वाला 12. महाराष्ट्र का एक ऐतिहासिक शहर 13. कृष्ण, दाना, सूजी 14. जिसका प्रस्तुत विषय या विवाद से कोई संबंध न हो, गिनती या क्रम में तीन के स्थान पर पड़ने वाला 15. हिंदी फिल्मों का एक नायक 16. शिकार (सं.) 17. तीर 18. नवरात्र में पूजनयित्री नौ कुमारियाँ

ऊपर से नीचे  
1. प्रतिदिन का काम लिखने की बही

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

**आज जिनका जन्मदिन है**

वर्ष के प्रारंभ में अत्याधिक परिश्रम के बाद आंशिक सफलता मिलेगी, मित्र के कारण विवाद होगा, मान प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें, मन में खिन्नता रहेगी, वर्ष के मध्य में घरेलू कार्यों में रुचि रहेगी, बैचारिक वाद विवाद होगा, सत्संग में मन शांत रहेगा, वर्ष के अंत में राजनैतिक मित्र का सहयोग रहेगा, व्यवसाय में वृद्धि मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में रुचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नवीन योजनाओं में पूंजी निवेश होगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का सहयोग और सुख शांति रहेगी.

**आज जन्मे शिशु का भविष्य**

आज जन्म लिया बालक सुन्दर सुशील व्यक्तित्ववान परिश्रमी होगा. शरीर से कोमल एवं भावुक मन का होगा. स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा. अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. कम बोलेगा, जो भी बोलेगा, वह बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण होगा. यात्राप्रिय रहेगा.

**उदयकालीन ग्रह चाल**

पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल पंचमी चन्द्रवासरं रात 9/18, कृत्तिका नक्षत्र रात 11/28, विष्णुम्भ योग दिन 2/56, राव करणें सू.उ. 5/59, सू.अ. 6/1, चन्द्रचार मेघ प्रातः 6/40 से वृषभ, पर्व- श्रीराम राज्य महोत्सव, शु.रा. 2, 4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक-4,6,0.

**व्यापार भविष्य**

चैत्र शुक्ल पंचमी को कृत्तिका नक्षत्र के प्रभाव से समस्त प्रकार के अनाजों में जैसे गेहूँ, जौ, चना, मक्का, बाजार, के भाव में जोरदार मंदी होने की संभावना है, तिल, तेल, तिलहन, सरसों के भाव में साधारण नरमी होगी. भाग्यांक 1475 है.

**मेघ** - किसी काम में परिश्रम अधिक करना होगा, खर्च बढ़ेगा. शत्रु वार्ग पराजित होगा. निजी मामलों को स्वयं सुलझाने का प्रयास करें, हर्ष बना रहेगा.

**वृषभ** - व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें. पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी. पूज्य व्यक्तिको सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. अनावश्यक विवादों को टालें.

**मिथुन** - धार्मिक कार्यों में खर्च होगा. आर्थिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में प्रगति होगी. मन में शांति और संतोष बना रहेगा. साहसिक प्रयत्नों को पूर्ण होगा.

**कर्क** - नौकरी एवं राजकीय कार्यों में संलग्नता रहेगी. मन में संतोष बना रहेगा. सोचे हुये कार्यों में विलंब हो सकता है. परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी.

**सिंह** - घर में अतिथि आगमन का योग है. अनावश्यक विवाद न बढ़ायें. कार्यों में विलंब होगा. मांगलिक कार्यों पर विचार होगा. यात्रा सुखद रहेगी.

**कन्या** - राजनैतिक कार्यों में सावधानी रखें. अन्यायपूर्ण विवादों को न बढ़ायें. कार्यों में विलंब होगा. धार्मिक यात्रा हो सकती है. पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

**तुला** - आमोद प्रमोद के साधन उपलब्ध रहेगी. किसी व्यक्ति से भेटवार्ता होगी. अतिथि आगमन का योग है. पत्राचार करते समय सावधानी सक्ताई रखें.

**वृश्चिक** - कौटुम्बिक कार्यों में सावधानी रखकर कार्य करें. लाभदायक अवसरों को प्राप्ति होगी. अतिथि सत्कार होगा. मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

**धनु** - कौटुम्बिक मामलों में सावधानी रखें. वायदा सोच विचार कर करना उचित होगा. खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें.

**मकर** - प्रतिष्ठा एवं सम्मान मिलेगा. शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी. अतिथि आगमन हो सकता है. व्यापार बढ़ेगा. परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है.

**कुम्भ** - वाहनद्वारा का प्रयोग करते समय सावधानी रखें. निजी पुरुषार्थ को प्राप्ति होगी. मित्र के संबंध में नवीन समाचार प्राप्त हो सकता है.

**मीन** - पारिवारिक मतभेद हो सकते हैं. दूसरों के कारण आपको परेशानी हो सकती है. अनाथ भय एवं चिन्ता का समाधान होगा. परिश्रम रहेगा.

**SUDOKU 7337**

|   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 |   | 9 |   | 6 | 1 |   | 8 |
| 6 | 8 |   |   |   |   |   |   |
|   | 1 | 7 | 3 | 8 |   | 4 |   |
| 3 | 4 |   | 6 | 7 |   |   | 9 |
| 5 |   | 1 | 8 |   | 2 |   | 7 |
| 2 |   | 3 | 5 |   | 1 | 8 | 4 |
|   | 3 |   | 7 | 5 | 8 | 6 |   |
| 7 | 6 | 2 |   | 8 |   |   | 1 |

**पंचमेक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें**

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 |
| 4 | 5 | 3 | 2 | 1 | 7 | 9 | 8 | 6 |
| 7 | 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 5 | 3 |
| 8 | 2 | 5 | 6 | 9 | 1 | 3 | 4 | 7 |
| 3 | 6 | 4 | 7 | 2 | 5 | 8 | 1 | 9 |
| 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 4 | 5 | 6 | 2 |
| 5 | 4 | 1 | 9 | 7 | 2 | 6 | 3 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 4 | 8 | 7 | 9 | 5 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 6 | 3 | 4 | 2 | 1 |